दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र

श्री महावीरजी

त्रैमासिक पत्रिका

• www.shrimahaveerji.com • online booking: www.mahaveerji.org

वर्ष-3 (अंक: 1) त्रैमासिक | मार्च 2013 से मई 2013 | अहिंसा परमो धर्म: | वीर निर्वाण सम्वत् 2540 | चौबीस तीर्थंकर अंक

नमन !

वर्तमान भारत में श्रमण संस्कृति जनमंगल की दिशा में द्रुतगति से अग्रसर है। इसका जीवन्त उदाहरण दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी द्रष्टव्य है।

श्री महावीरजी में 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के दर्शनों से जीवन में प्रकाश उत्पन्न होता है। प्रत्येक श्रावक में उजाला छुपा हुआ है। उसका उद्घाटन कैसे हो ? इसके लिए कथित प्रकाश स्तम्भ से जुड़ने की जरुरत है। 'श्री महावीरजी' सर्वश्रेष्ठ, सर्वश्रेष्ठ, सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापक व सर्वसुलभ 'तीर्थ' है। यह प्रकाश पुंज विश्व को आलोकित करने वाला ही नहीं अपितु भवसागर से पार कराने वाला भी है। मंदिर व क्षेत्र की रमणीयता व स्वच्छता ने मानव-मन को शांति व सौहार्द प्रदान किया है।

तीर्थंकर भगवान महावीर का उपदेश ही धर्मतीर्थ है। उसी धर्मतीर्थ को आचार्य समन्तभद्र ने 'सर्वोदय तीर्थ' कहा है। सबका उदय ही सर्वोदय है। अत: सबको उन्नति के समान अवसर प्राप्त हो। प्रत्येक व्यक्ति उच्च पद प्राप्त कर सके।

'स्वतंत्रता और समानता' दो सबल स्तम्भ है। इसीलिए भगवान महावीर के उपदेश का केन्द्र बिन्दु 'आत्मा' है। सर्वजीव तब ही साकार होता है जब आत्मा के गुण प्रस्फुटित होते हैं।

भगवान महावीर भरतक्षेत्र में इस युग के चौबीसवें व अन्तिम तीर्थंकर हैं, इससे पूर्व ऋषभ देव आदि तेईस तीर्थंकर और हो चुके हैं, जिनका विस्तृत विवरण जैन-साहित्य में उपलब्ध है।

श्री महावीरजी स्व-आत्मा में प्रवेश का द्वार है। व्यक्ति स्वयं आत्मस्वरुप है, उसका यह पुरुषार्थ ही होगा कि वह श्री महावीरजी की तीर्थयात्रा को अंजाम देकर अपूर्व निर्मलता प्राप्त करें।

आभार सहित

सद्भावी

जस्टिस एन. के. जैन

अध्यक्ष

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

॥ णमोकार मंत्र ॥

णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आइरियाणं,
णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्वसाहूणं।
एसो पंचणमोयारो, सव्वपावप्पणासणो,
मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं हवइ मंगलं ॥

जय जिनेन्द्र

श्री महावीरजी में हुये नियमित कार्यों के अतिरिक्त कुछ प्रमुख गतिविधियाँ

1. चतुर्थ त्रैमासिक अंक 'वैश्वीकरण-अंक' का गणिनी आर्यिका 105 श्री सुप्रकाशमती माताजी द्वारा विमोचन

2. श्री महावीरजी में माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोकजी गहलोत एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे जी ने भगवान महावीर के दर्शन व आरती कर देश व प्रदेश में अमन चैन, खुशहाली एवं समृद्धि के लिए मंगल कामना की।

पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे जी

3. रतनलालजी वेदप्रकाशजी जैन, नरेला, हरियाणा द्वारा चाँदी का छत्र (840 ग्राम) एवं दीपक मय स्टेण्ड (3432 ग्राम) भेंट।

4. पुष्प परागजी जैन, गाजियाबाद द्वारा मुख्य मंदिर जी की दो किवाड़ जोड़ियों पर चांदी का पत्तर चढ़ाने का कार्य।

5. मुन्नालालजी प्रदीपकुमारजी जैन, दिल्ली द्वारा महावीर भगवान स्वामी की मुख्य वेदी के शिखरों पर लकड़ी के फ्रेम पर चांदी का पत्तर कार्य।

6. श्री महावीर योग–प्राकृतिक चिकित्सा एवं शोध संस्थान के लिए : श्री शांतिलालजी जैन एस.एम. ट्रेडिंग कम्पनी, डीमापुर द्वारा एक फ्रिज (310 लीटर) एवं श्रीमती लताजी व हेमन्तजी सूरजमलजी सेठ, बोरीबली, वेस्ट मुम्बई–92, द्वारा एल.सी.डी., टी.वी. 32 इंच भेंट स्वरूप दिया गया।
7. 'ध्यान केन्द्र' के लिए श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन, जगराना, जिला लुधियाना द्वारा 1 ए.सी. वोल्टास 1.5 टन भेंट स्वरूप दिया गया।
8. विभिन्न धर्मशालाओं के लिए 4 वाटर कूलर वोल्टास 150 लीटर क्रमश: श्री अमनकुमारजी जैन, मुजफ्फरपुर, श्री अलंकर गिलास वर्क्स, फिरोजाबाद, श्रीमती उमाजी जैन धर्मपत्नी श्री प्रमोदकुमारजी जैन एवं श्री सुशीलकुमारजी जैन, मेसर्स सुशील टेक्सटाइल्स, दिल्ली द्वारा भेंट।

9. श्री नानूलालजी भानगडिया द्वारा महावीर जयन्ती कार्यक्रम के शुभारम्भ पर झण्डारोहण के साथ प्रदर्शनी, विकलांग शिविर, आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रथयात्रा आदि।

10. **नूतन जैन-साहित्य प्रकाशन व अध्ययन विस्तार**

1. 'महावीर वन्दना' पुस्तक का मुनि 108 श्री प्राप्तिसागर जी महाराज से रथयात्रा, नदी तट पर धर्मसभा के अवसर पर विमोचन।

2. मुनि नेमीचन्द सिद्धान्तिदेव रचित द्रव्यसंग्रह का प्रकाशन।

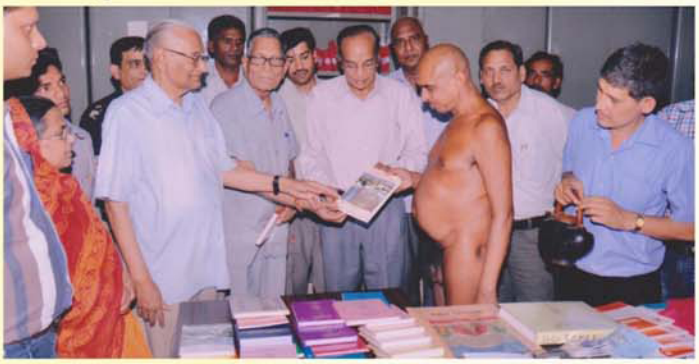

3. नसियां परिसर में उपाध्याय 108 श्री ज्ञानसागरजी महाराज द्वारा जैन विद्या संस्थान एवं अपभ्रंश साहित्य एकेडमी का अवलोकन व 'आमेर के दिगम्बर जैन मंदिर श्री नेमिनाथ जी (सांवला जी) की प्रतिमाऐं' पुस्तक का विमोचन।

4. Ghent University Belgium के विद्यार्थियों को प्राकृत–अप्रभंश जैन संस्कृति के अध्ययन के लिए University के साथ अनुबन्ध का प्रयास।
5. वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में प्राकृत एवं अपभ्रंश भाषा में एम.ए. कोर्स आरम्भ करने का प्रयास।

11. श्री महावीरजी में 48 कमरों के वातानूकूलित धर्मशाला की प्रथम मंजिल के बाद का कार्य प्रगति पर।

महावीरजी क्षेत्र के विकास कार्य सराहनीय : अशोक गहलोत

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस संदेश यात्रा के दौरान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, करौली में अपने साथियों के साथ महावीर बाबा के दर्शन और आरती कर देश व प्रदेश में अमन चैन, खुशहाली एवं समृद्धि के लिए मंगल कामना की। श्री महावीरजी मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एन. के. जैन एवं राजकुमार काला, पूनमचन्द्र शाह व चन्द्रप्रकाश ने मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर श्री गहलोत ने श्री महावीरजी तीर्थ क्षेत्र में हुए विकास कार्यों एवं मंदिर कमेटी की ओर से किए जा रहे सामाजिक सेवा के कार्यों की सराहना की और इन कार्यों में राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह तीर्थ क्षेत्र न केवल जैन समाज बल्कि अन्य सभी समुदायों के लिए भी पूजनीय है और साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल है। मुख्यमंत्री सहित सांसद रघुवीर मीणा, खिलाड़ीलाल बैरवा, अरुण यादव, पूर्व सांसद मूलचन्द मीणा, अलाउद्दीन आजाद, जितेन्द्र सिंह के अलावा संजय बाफना, हरदीप सिंह चहल, रनदीप धनखड़, बृजेन्द्र सूपा, धमेन्द्र राठौड़, रमेश मीणा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अलका मीणा, चन्द्रप्रकाश मीणा, सचिव आदित्य शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेश चौधरी, सुशीला शर्मा व अन्य सभी जनप्रतिनिधियों ने भी दर्शन किए एवं रात्रि विश्राम श्री महावीरजी में ही किया। दूसरे दिन सुबह महावीरजी प्रबन्धकारिणी कमेटी के अन्य सदस्यगण श्री सुभद्र कुमार पाटनी, पी.सी. जैन व वरिष्ठ पत्रकार मिलापचन्द डांडिया के साथ बडी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने कमलाबाई मंदिर के दर्शन करते हुए दानालपुर करौली के लिए प्रस्थान किया।

साभार : 'जिनेन्दु', अहमदाबाद

भगवान महावीर की जयन्ती सम्पूर्ण विश्व में आयोजित धार्मिक सद्भावना का लक्खी मेला श्री महावीरजी में सम्पन्न

24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जयन्ती समारोह सम्पूर्ण विश्व में भगवान महावीर के अनुयाई संतगणों के सान्निध्य या उनके प्रचारकों ने अपने-अपने स्तर पर आयोजित किया। इस अवसर पर रथयात्रा, जुलूस, प्रभात फेरी, सांस्कृतिक व भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित हुए।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (जिला करौली) का धार्मिक सद्भावना का लक्खी मेला भगवान महावीर की जयन्ती पर प्रतिवर्ष की भांति आयोजित हुआ। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष जस्टिस एन. के. जैन व मंत्री पी.सी. जैन ने बताया कि मेले के अवसर पर पर पूजा-अर्चना, सामूहिक आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, खेलकूद प्रतियोगिता के साथ मानव सेवा में विकलांग नागरिकों को जयपुर फुट लगाने के साथ व्हीलचेयर वितरित की गई। इस वर्ष मानस्तम्भ के कलशाभिषेक का कार्यक्रम भी हुआ।

मेले के अन्तिम दिन मंदिर प्रांगण से बैण्ड-बाजा, लवाजमा, विशाल जनसमूह के साथ स्वर्ण जड़ित रथ में विराजमान भगवान महावीर की प्रतिमा गम्भीर नदी पर पहुँची। रथयात्रा के आगे परम्परा के अनुसार मीणा सम्प्रदाय के पुरुष महिलाऐं, बालक-बालिकाऐं नाचते-कूदते चल रहे थे। गम्भीर नदी पर भगवान महावीर की प्रतिमा के पंचामृत अभिषेक का कार्यक्रम हुआ। कलशाभिषेक के बाद गुर्जर जाति के लोग गम्भीर नदी से मंदिर तक रथ लेकर आये। रथयात्रा प्रारम्भ करने से पूर्व प्रतिमा जिन परिवारजनों के हाथों से प्रकट हुई उस परिवार जनों का अभिनन्दन और रथ के रवानगी करने हुआ। रथ का सारथी बनने का अवसर श्रीमान उप जिला कलेक्टर श्री कमरूद्दीन जी और क्षेत्र अध्यक्ष एन. के. जैन को मिला।

साभार : दिगम्बर जैन ज्योति, जयपुर

चौबीस तीर्थंकर भगवान का विवरण

क्र.सं.	तीर्थंकर	चिह्न	जन्म स्थान	माता	पिता	वंश	केवली वृक्ष	गर्भ तिथि	जन्म कल्याणक	तप कल्याणक	केवलज्ञान तिथि	मोक्ष कल्याणक
1.	श्री ऋषभनाथ	बैल	अयोध्या	मरुदेवी	नाभिराय	इक्ष्वाकु	वट वृक्ष	आषाढ़ कृ. 2	चैत्र कृष्णा 9	चैत्र कृष्णा 9	फाल्गुन कृ. 11	माघ कृष्णा 14
2.	श्री अजितनाथ	हाथी	अयोध्या	विजयासेना	जितशत्रु	इक्ष्वाकु	सप्तवर्ण	ज्येष्ठ कृ. अमावस्या	माघ सुदी 10	माघ सुदी 10	पौष शु. 11	चैत्र शुक्ला 5
3.	श्री संभवनाथ	घोड़ा	श्रावस्ती	सुसेना	दृढ़राज (जितारि)	इक्ष्वाकु	शाल	फाल्गुन शु. 8	कार्तिक सुदी पूर्णिमा	मंगसिर सुदी पूर्णिमा	कार्तिक कृ. 4	चैत्र शुक्ला 6
4.	श्री अभिनन्दन	बन्दर	अयोध्या	सिद्धार्था	संवर (स्वयंवर)	इक्ष्वाकु	चीड़	वैशाख शु. 6	माघ शुक्ला 12	माघ शुक्ला 12	पौष शु. 14	बैसाख शुक्ला 6
5.	श्री सुमतिनाथ	चकवा	अयोध्या	सुमंगला	मेघरथ	इक्ष्वाकु	पियंगु	श्रावण शु. 2	चैत्र शुक्ला 11	चैत्र शुक्ला 11	चैत्र शु. 11	चैत्र शुक्ला 11
6.	श्री पदमप्रभु	लालकमल	कौशाम्बीपुर	सुसीमा	धरण	इक्ष्वाकु	पियंगु	माघ कृ. 6	कार्तिक शुक्ला 13	कार्तिक शुक्ला 13	चैत्र शु. पूर्णमासी	फाल्गुन बुदी 4
7.	श्री सुपार्श्वनाथ	स्वास्तिक	वाराणसी	पृथिवीषैणा	सुप्रतिष्ठ	इक्ष्वाकु	शिरीष	भाद्रपद शु. 6	ज्येष्ठ शुक्ला 12	ज्येष्ठ शुक्ला 12	फाल्गुन कृ. 6	फाल्गुन कृष्णा 7
8.	श्री चन्द्रप्रभु	चन्द्रमा	चन्द्रपुरी	लक्ष्मणा (सुलक्षण)	महासेन (महश्रेणी)	इक्ष्वाकु	नागकेसर	चैत्र कृ. 5	पौष कृष्णा 11	पौष कृष्णा 11	फाल्गुन कृ. 7	फाल्गुन शुक्ला 7
9.	श्री पुष्पदंत	मगर	काकन्दीपुरी	जयरामा (रामा)	सुग्रीवराजा	इक्ष्वाकु	बिल्वपत्र	फाल्गुन कृ. 9	मंगसिर शुक्ला 1	मंगसिर शुक्ला 1	कार्तिक शु. 2	अश्विन शुक्ला 8
10.	श्री शीतलनाथ	कल्पवृक्ष	भद्रिलपुर	सुनंदा	दृढ़रथराजा	इक्ष्वाकु	बिल्वपत्र	चैत्र कृ. 8	पौष कृष्णा 14	माघ कृष्णा 12	का. शु. 2	अश्विन शुक्ला 8
11.	श्री श्रेयांसनाथ	गैंडा	सिंहपुरी	वप्पूदेवी	विष्णुराज (विमल)	इक्ष्वाकु	तेंदु	ज्येष्ठ कृ. 8	फाल्गुन कृष्णा 11	फाल्गुन कृष्णा11	माघ कृ. अमावस्या	श्रावण शुक्ला पूर्णिमा
12.	श्री वासुपूज्य	भैंसा	चम्पापुरी	जयावती (विजया)	वसुपूज्य	इक्ष्वाकु	कदम्ब	आषाढ़ कृ. 6	फाल्गुन कृष्णा 14	फाल्गुन कृष्णा 14	भाद्र कृ. 2	भादवा शुक्ला 14
13.	श्री विमलनाथ	शूकर	कांपिल्य	जयश्यामा (सुरम्या)	कृतवर्मा (कृतधर्मा)	इक्ष्वाकु	जामुन	ज्येष्ठ कृ. 10	माघ शुक्ला 4	माघ शुक्ला 4	माघ शु. 6	आषाढ़ कृष्णा 6
14.	श्री अनन्तनाथ	सेही	अयोध्या	जयश्यामा लक्ष्मीसती (जयश्यामा)	सिंहसेन	इक्ष्वाकु	पीपल	कार्तिक कृ. 1	ज्येष्ठ कृष्णा 12	ज्येष्ठ कृष्णा 12	चैत्र अमावस्या	चैत्र कृष्णा 4
15.	श्री धर्मनाथ	वज्रदंड	रत्नपुर	सुप्रभा (सुव्रता)	भानुराज	क्रूर वंश	कैथा	वैशाख शु. 8	माघ शुक्ला 13	माघ शुक्ला 13	पौष्य शु. पूर्णिमा	ज्येष्ठ शुक्ला 4
16.	श्री शांतिनाथ	हिरण	हस्तिनापुर	ऐरादेवी	विश्वसेन	इक्ष्वाकु	तून	भाद्रपद कृ. 7	ज्येष्ठ कृष्णा 14	ज्येष्ठ कृष्णा 14	पौष शु. 10	ज्येष्ठ कृष्णा 14
17.	श्री कुन्थुनाथ	बकरा	हस्तिनापुर	श्रीदेवी (श्रीकान्ता)	सूरसेन (सूर्य)	कुरूवंश	तिलक	श्रावण कृ. 10	बैसाख सुदी 1	बैसाख सुदी 1	चैत्र शु. 3	बैसाख सुदी 1
18.	श्री अरहनाथ	मछली	हस्तिनापुर	मित्रसेना (मित्रा)	सुदर्शन	कुरूवंश	आम	फाल्गुन शु. 3	मंगसिर सुदी 14	मंगसिर सुदी 14	कार्तिका शु. 12	चैत्र शुक्ला 11
19.	श्री मल्लिनाथ	कलश	मिथिलापुर	प्रभावती	कुंभराज (राजकुंभ)	इक्ष्वाकु	अशोक	चैत्र शु. 1	मंगसिर शुक्ला 11	मंगसिर शुक्ला 11	पौष कृ. 2	फाल्गुन शुक्ला 5
20.	श्री मुनिसुव्रत	कछुआ	राजगृह	सीमा (पदमावली)	सुमित्र	यादव वंश	चम्पा	श्रावण कृ. 2	बैसाख कृष्णा 10	बैसाख कृष्णा 10	वैशाख कृ. 9	फाल्गुन कृष्णा 12
21.	श्री नमिनाथ	नीलकमल	मिथिलापुर	वर्मिला (वप्रिला)	विजयराज	इक्ष्वाकु	मौलश्री	आश्विन कृ. 2	आषाढ़ कृष्णा 10	आषाढ़ कृष्णा 10	मार्गशीर्ष शु. 11	बैसाख कृष्णा 14
22.	श्री नेमिनाथ	शंख	शौरीपुर	शिवादेवी	समुद्र विजय	यादव वंश	बांस	कार्तिक शु. 6	श्रावण शुक्ला 6	श्रावण शुक्ला 6	आश्विन शु. 1	आषाढ़ शुक्ला 8
23.	श्री पार्श्वनाथ	सर्प	वाराणसी	वामादेवी (ब्राही)	अश्वसेन	उग्रवंश	देवदार	वैशाख कृ. 2	पौष कृष्णा 11	पौष कृष्णा 11	चैत्र कृ. 4	श्रावण शुक्ला 7
24.	श्री महावीर	सिंह	वैशाली	प्रियकारिणी (त्रिशलादेवी)	सिद्धार्थ राजा	नाथवंश	साल	आषाढ़ शु. 6	चैत्र शुक्ला 13	मंगसिर कृ. 10	वैशाख शु. 10	कार्तिक कृष्णा अमावस्या

साभार : कविवर वृंदावनदास जी के द्वारा रचित चौबीस तीर्थंकर पूजन के आधार पर

का. शु. 2

वार्षिक मेले की एक झलक-2013

एस.पी., ए.डी.एम. करौली प्रदर्शनी का उद्घाटन

श्री सुभाष व परिवाजन को महावीर भगवान का चित्र भेंट करते हुए अध्यक्ष व मानद मंत्री, श्री महावीरजी।

एस.पी. विकलांगों को ट्राई साईकिल व अन्य सामान वितरण करते हुए।

धर्मानुरागी श्रेष्ठीगण आरती करते हुए

एस.डी.एम. हिण्डौन, भगवान महावीर की आरती करते हुए।

रथयात्रा का विहंगम दृश्य

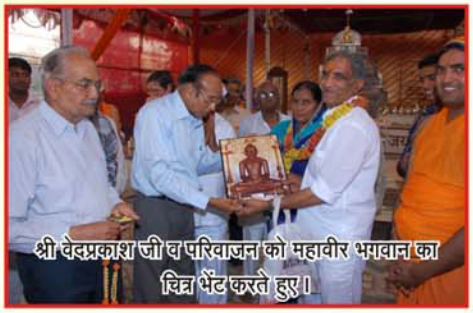
श्री वेदप्रकाश जी व परिवाजन को महावीर भगवान का चित्र भेंट करते हुए।

रथयात्रा की वापसी में रथ में सवार श्री सुभाष जी व परिवार जन

सभी दातार, सहयोगियों, श्रेष्ठीगण का उनकी नि:स्वार्थ सेवाभाव व सहयोग के लिए आभार।

मैनेजर कार्यालय :
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
श्री महावीरजी (जिला करौली) राजस्थान -322220
दूरभाष : 07469-224323, 224339
www. shrimahaveerji.com
Online Room Booking : www.mahaveerji.org
e-mail: mahaveerjitrust@gmail.com

मंत्री कार्यालय :
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
कुन्दकुन्द भवन परिसर, दिगम्बर जैन नसियाँ, भट्टारकजी
सवाई रामसिंह रोड, जयपुर-302004
दूरभाष : 0141-2385783, 2385784

सम्पादक मण्डल : न्यायमूर्ति एन.के. जैन, महेन्द्र कुमार पाटनी, डॉ. कमलचन्द सौगाणी, एम.एल. धोंकरिया के लिए राजू ग्राफिक आर्ट, अजमेरी गेट, जयपुर से मुद्रित।
प्रकाशक : प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, जयपुर (राजस्थान)